पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

रहा आपका बचपन से ही
सात्विक खान-पान
इन्द्रियों पर शासन
मन को वश रखने की शान
नियमों के पक्के रहे
भल आये भी व्यवधान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(१)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

मिलता था जब भक्ति में भी
गुरुओं का फरमान
आज्ञाकारी बनकर सेवा
करते थे निष्काम
श्रद्धा और भावना, दिल से
देते थे सम्मान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम
(२)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

नारायण के भक्त आप थे
भक्ति आलीशान
बिन गीता के पाठ
कभी नहीं करते दूजा काम
भक्ति का फल देने सतगुरु
आन मिले भगवान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम
(३)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

छोड़ दिया हीरों का धंधा
मिला आपको ज्ञान
भागीदार के किया हवाले
धंधा और दूकान
ज्ञान रतन से आप बने
अविनाशी धनवान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(४)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

पाठ किया आत्मा का पक्का
लगातार अविराम
गुप्त किया अभ्यास आपने
छोड़ दिया आराम
बनूं फरिश्ता उड़ूं वतन में
लिया आपने ठान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(५)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

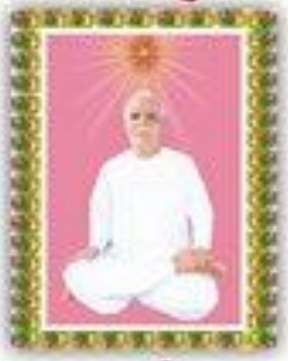

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

चुम्बक सा व्यक्तित्व आपका
मुख मण्डल की शान
बिजली जैसी चमक देख
चक्रित होते इंसान
दृष्टि रुहानी जिसने पाई
भूले तन का भान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(६)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

ओम मण्डली आये उनकी
बदल गई पहचान
हुआ कृष्ण दीदार आपमें
छूटा देह अभिमान
श्रेष्ठ बनी लाखों की जीवन
हम सब प्रत्यक्ष प्रमाण
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(७)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

पिघल गये संग पाकर तेरा
पत्थर दिल पाषाण
पैर पड़े खूनी, डाकू
जो लाये साथ कृपाण
आदि पिता हे प्रजापिता
सब करते तुझे सलाम
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

समय, श्वांस, संकल्प खजाने
सफल किये आसान
तन, मन, धन स्वाहा किया
सब यज्ञ में कुर्बान
चल, अचल सम्पत्ती अपनी
की ट्रस्ट के नाम
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम
(९)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

किया समर्पण सब कुछ अपना
देह भान, अभिमान
नहीं चाहना रखी जरा भी
नाम, मान और शान
सहन किया बच्चों के खातिर
लोगों का अपमान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(१०)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

चाल-चलन और चरित्र से
सबको किये गुणदान
स्वप्न मात्र भी नहीं रखा
मैं, मेरेपन का भान
बने दधिचि ऋषि
हड्डियां सेवा में बलिदान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(११)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

पवित्रता का पाठ पढ़ाया
और दिया पैगाम
सारे विश्व में एक अनूठा
छेड़ दिया अभियान
माताओं, बच्चों, बूढ़ों को
दिया खूब सम्मान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(१२)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

निराकारी, निर्विकारी
निरहंकारी थे उपराम
सच्चे दत्तात्रेय आपने
किया विश्व-कल्याण
भक्ति में भी खूब किया
सोने, हीरों का दान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(१३)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

मनमत, परमत, जनमत का
नहीं दिया आपने ध्यान
कदम-कदम श्रीमत पर चल
पालन किया फरमान
बना दिया आबू को आपने
श्रेष्ठ तीर्थ स्थान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम
(१४)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

परिस्थिति के पेपर में भी
रहे वीर हनुमान
दृढ़ता से विजयी रहे
थे पक्के निश्चयवान
देने आप सकाश
वतन में करते हो विश्राम
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(१५)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

चला बेगरी पार्ट समस्या
बड़े-बड़े तूफान
अचल, अटल, अडोल रहे
सब पास किये इम्तिहान
कहा यज्ञ शिव बाबा का
वो जाने अपना काम
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(१६)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

हिस्ट्री हॉल, कमरा, कुटिया
मधुबन के चारों धाम
बना शान्ति स्तम्भ दे रहा
अब तक भी पहचान
पत्र लिख रहे, बैठ दे रहे
कुटिया में वरदान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम
(१७)

BK GS TOLI

पिता श्री ब्रह्मा बाबा

अव्यक्त दिवस
१८ जनवरी

मास जनवरी भर देता है
जीवन में नव प्राण
यादें आज आपकी हमको
देती शक्ति महान्
पास खड़े आवाज आपकी
सुनते मेरे कान
हे भागीरथ ब्रह्मा बाबा
शत्-शत् कोटि प्रणाम

(१८)

BK GS TOLI